फरीदाबाद
मजदूर समाचार
अनुभवों तथा विचारों के आदान-प्रदान के जरियों में एक जरिया

'मजदूर समाचार' की कुछ सामग्री अंग्रेजी में इन्टरनेट पर है। देखें–
< http://faridabad majdoorsamachar.blogspot.in >

डाक पता : मजदूर लाईब्रेरी, आटोपिन झुग्गी, एन.आई.टी. फरीदाबाद – 121001

नई सीरीज नम्बर 353 1/– **नवम्बर 2017**

फाटक

बचपन से देख रहा हूँ। जिज्ञासा रही है। सोचता था एक दिन पढूँगा। अब पढने का समय है।

पढना एक बहुत ही अनोखी चीज है। वह अक्षर जानने से पहले आ जाती है। अक्षर उसे धार भी देते हैं और धुँधला भी देते हैं।

हाँ। पढने की क्षमता अक्षर ज्ञान से पहले से होती है। मेरी दादी आज भी सतह को देखती हैं, समझने की कोशिश करती हैं, पूछती हैं उसके बारे में लेकिन उस पर रुकती नहीं हैं।

क्या करती हैं ?

उनके सोचने की कुछ विधि हैं। जो सतह दीखती है वही सतह नहीं होती। कई सतहें होती हैं। वे एक-दूसरे पर फिसलती हैं, टकराती हैं। एक-दूसरे में रिसती हैं, उलझती हैं, दबाती हैं, उलझाती हैं।

तेरी दादी की विधि में क्या सब कुछ विभिन्न तरह की सतह हैं जो अपनी अलग-अलग गति और पैमाना लिये हुये हैं? कोई कहे कि "फरक पड़ता है" और कोई कहे कि "फरक नहीं पड़ता" तो तेरी दादी इसे कैसे पढेंगी ?

मेरे ख्याल से मेरी दादी इन शब्दों को व्यक्ति-विशेष से नहीं जोड़ेंगी जबकि शब्द उनके पास व्यक्ति-विशेष से ही आये होंगे। वो उन शब्दों में जीवन के किसी रूप अथवा प्रणाली को ढूँढने की कोशिश करेंगी। और अपने दिमाग में दौडायेंगी कि पहले कहाँ-कहाँ सुना है। और, किसी समापन पर नहीं पहुँचेंगी। वो किसी गीत में भी जा सकती हैं।

मुझे जो समझ आ रहा है वो यह है कि तेरी दादी कोई जज नहीं बनती। न वकील बनती है। वो समझ बनाने की प्रक्रिया को खुली रखती हैं। इसलिये उनके निष्कर्ष ओझल हैं और उनकी पढने की विधि में जाना होगा।

यही शायद तेरी दादी में हमें आकर्षक लगता है।

यह पढने का जो खुलापन है यह एक खास किस्म की आजादी का अहसास देता है।

आजादी का अहसास क्यों? आजादी देता है।

नहीं। अहसास देता है। दादी की आजादी दादी की आजादी है। महक खूब महसूस करते हैं। लेकिन अपनी आजादी, पढने की ऐसी विधि की रचना करने और उसका अभ्यास, सामुहिक अभ्यास करने में ही है।

यहाँ सामुहिक अभ्यास के बारे में थोड़ी साफ-सफाई करना चाहूँगा। सामुहिक लाउडस्पीकर के उस तरफ नहीं है। सामुहिक है साथ-साथ। साथ में। यह निकट है और बहुत दूर भी है। यह स्थानीय है और वैश्विक भी है। यह क्षणिक है, आता-जाता है, युग व्यापी भी है।

आता-जाता सुन कर मुझे मुजेसर फाटक याद आया। लोग कहते हैं यह एक मौत का कुँआ है। बहुत एक्सीडेन्ट होते हैं। भीड़ बनती है, टूटती है, छटपटाती है, गुम हो जाती है। शिफ्ट टाइम पर निरन्तर। सोचुँगा इसके बारे में।

वफादारी। यह एक अजीब शब्द है। अ-जीव। जो अब जीवित नहीं है। जो मर चुका है। कम्पनियाँ कितने लोगों को निकालती रहती हैं यह कह कर कि "वफादार नहीं रहे।" यानी, मशीन नहीं बने।

मशीनें बनाते हैं पर मशीन नहीं बने। यह बार-बार बताना पड़ता है। यह एक द्रोह है। यह विद्रोह हर शब्द में सुन सकते हैं। यह हँसी में सुन सकते हैं। हर चीख में सुन सकते हैं। हर चुपचाप में सुन सकते हैं।

मशीनों से, मशीनों के साथ काम करना। अदृश्य मशीनों के बीच काम करना। और, मशीन नहीं बनना यह फिसलती-टकराती सतहें हैं।

यह है आज का विश्व युद्ध।

कई बातें कईयों में बातचीतों में

✶ **राजषि स्टीयरिंग** (3 सैक्टर-27 सी, फरीदाबाद) फैक्ट्री में बोनस में 7000 रुपये देने की बात पर 10 अक्टूबर से मजदूरों ने ओवर टाइम बन्द कर दिया। ओवर टाइम से इनकार को एक महिना हो गया तब 8120 रुपये बोनस दिया। कारब्युरेटर उत्पादन वाली **पैको इन्डस्ट्रीज** (ओखला, दिल्ली) में 3 मार्च से लागू नये ग्रेड के लिये मजदूरों ने 7 सितम्बर से ओवर टाइम करना बन्द कर रखा है। **चाँदीवाला अस्पताल** (दिल्ली) के वरकर सितम्बर-अन्त में इकट्ठे हो कर नये ग्रेड के लिये मैनेजमेन्ट के पास गये तो फिर वही केस-तारीख की बातें, लेकिन 11 अक्टूबर को बैंक खातों में पहुँची तनखा नये ग्रेड अनुसार। **जी 4 एस (ग्रुप फोर)** गार्डों ने दिल्ली में नया ग्रेड ले लिया है, 3 मार्च से एरियर ले लिया है, बोनस नये ग्रेड अनुसार लिया है। ग्रुप फोर के जिन गार्डों की भर्ती दिल्ली में और ड्युटी गुड़गाँव में कर रहे हैं उन्होंने भी यह सब ले लिये हैं। उद्योग विहार गुड़गाँव तथा आई एम टी मानेसर स्थित **ऋचा-गौरव** समूह की फैक्ट्रियों में मैनेजमेन्ट द्वारा सितम्बर 2015 से पी एफ में की जा रही हेराफेरी के खिलाफ मजदूरों के कदमों का असर सामने आया है। कम्पनी द्वारा 6100-6500 रुपये तनखा पर काटी जाती पी एफ राशि सितम्बर 2017 में 8819 रुपये तनखा पर काटी गई है। **इन्टरफेस माइक्रोसिस्टम्स** (उद्योग विहार गुड़गाँव) फैक्ट्री में परमानेन्ट मजदूरों को बोनस में 26,000 रुपये लेकिन टेम्परेरी को फिर बोनस नहीं के खिलाफ सब टेम्परेरी वरकरों ने कम्पनी को लिख कर दिया है। **अजय कम्पोनेन्ट्स** (5 सैक्टर-4, फरीदाबाद) फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में काम करते 200 मजदूर बुलाने पर रविवार, 15 अक्टूबर को ओवर टाइम पर गये लेकिन सितम्बर की तनखा नहीं दिये जाने पर एक भी वरकर फैक्ट्री के अन्दर नहीं गया, सब लौट गये। मजदूरों ने तय किया कि 16 को, सोमवार को फैक्ट्री पहुँचेंगे, पहले तनखा लेंगे, फिर काम शुरू करेंगे। **कुमार प्रिन्टर्स** (24 सैक्टर-5, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में कम्पनी रोल पर वाले मजदूरों को पिछले वर्ष बोनस में 9000 की जगह इस बार 16,800 रुपये देने की कह रहे थे। अचानक 35 लाख का घाटा बता कर बोनस में 7000 रुपये। दिवाली से पहले दिन फैक्ट्री में सांस्कृतिक कार्यक्रम में कम्पनी रोल पर जो 200 हैं उन्हें ही बुलाते हैं। (ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे 1000 मजदूरों को नहीं बुलाते)। दो सौ लोग गये पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में सब ने चुप्पी साधे रखी, किसी मजदूर ने एक शब्द भी नहीं बोला। **होण्डा** (1-2 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में तीन कैन्टीन हैं पर फैक्ट्री में कार्यरत माली कैन्टीन में चाय-नाश्ता भी नहीं ले सकते। इन्चार्ज जनरल मैनेजर के पास 8 मार्च को मालियों की तरफ से माली सुपरवाइजर गया तो साहब बोला कि मिलेगा-मिलेगा। और, मार्च-अप्रैल में 8 पुराने माली होण्डा फैक्ट्री से निकाल दिये गये। **एयरटैक इलेक्ट्रोनिक्स** (बी-70 ओखला फेज-2) फैक्ट्री में मजदूर जून से नया ग्रेड ले रहे हैं और बोनस नये ग्रेड अनुसार लिया। **पुनियानी इन्टरनेशनल** (बी-114 ओखला फेज-1) लैदर फैक्ट्री में 3 मार्च से लागु नये ग्रेड के लिये सितम्बर-अन्त में 600 मजदूरों ने दो दिन काम बन्द किया तब कम्पनी ने दस दिन का समय माँगा था। इधर 20 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक नये ग्रेड के लिये मजदूरों ने फिर उत्पादन बन्द रखा तो कम्पनी ने फिर दस दिन का समय माँगा है। **दिहित लाइफ साइन्स** (बी-107 ओखला फेज-1) कार्यस्थल पर टी ब्रेक। डायग्नोस्टिक टैस्ट बनाते 80-90 वरकर चाय पी कर बातचीत करते हुये 3 मार्च से लागु नये ग्रेड के लिये 28 अक्टूबर को मैनेजमेन्ट के पास गये।

✶ **ग्रोवरसन्स** (135 सैक्टर-4, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में वरकरों में दिवाली से पहले चर्चा : 500 रुपये मिठाई के और कुकर हैं। लेकिन दिये 250 रुपये और लन्च बॉक्स। डेढ सौ हैल्परों को तो बोनस दिया ही नहीं। **रबड़वेज** (28 डी एल एफ फेज-1, फरीदाबाद) फैक्ट्री में मुंजाल शोवा, मारुति सुजुकी, होण्डा, हीरो वाहनों के रबड़ पार्ट्स बनाने वाले वरकरों में 10 वर्ष के बच्चे भी हैं और 20 महिला मजदूरों को 11½ घण्टे काम के 150 रुपये देते हैं। पिछले वर्ष वरकरों ने 5 दिन काम बन्द किया। **ओसवाल कास्टिंग्स** (48-49 इन्ड. एरिया, फरीदाबाद) फैक्ट्री में अक्टूबर माह में पहले तो फैटलिंग में पावर प्रैस पर एक मजदूर की दो उँगली कटी और फिर सी एन सी वाली टी वी एस लुकास लाइन पर दो वरकरों की एक-एक उँगली कटी। बोनस 600 में से 10 वरकरों को ही देने पर दिवाली के बाद से रिजेक्शन बढा है। **एस डी एस सेक्युरिटी** (मुख्यालय सफदरजंग, दिल्ली) के गार्ड 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी करते हैं, साप्ताहिक अवकाश नहीं। प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी पर 30-31 दिन के ओखला क्षेत्र में गार्ड को 20,000 रुपये, ई एस आई तथा पी एफ राशि काट कर। उद्योग विहार गुड़गाँव में **टाइगर 4 सेक्युरिटी** गार्ड को 12 घण्टे प्रतिदिन ड्युटी पर 30-31 दिन के 10,000 रुपये, ई एस आई तथा पी एफ काट कर......

मुनाफे दिखाती कम्पनियों द्वारा घाटे का बोनस देना

● 1975 के बोनस कानून अनुसार वर्ष में एक महीने की तनखा बकाया तनखा है, `deferred wage`। इसलिये जो कम्पनियाँ घाटा दिखाती हैं उन्हें भी बोनस में एक महीने की तनखा देनी होगी। मुनाफा दिखाती कम्पनियों में 20 % तक, ढाई महीने की तनखा तक बोनस में मजदूर ले सकते हैं। मजदूर परमानेन्ट हों , चाहे कम्पनी रोल पर कैजुअल हों , चाहे ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे गये हों: सब मजदूरों का बोनस बनता है।

● पिछले वर्ष से कम से कम बोनस की राशि 7000 रुपये अथवा न्यूनतम वेतन , **जो भी अधिक हो**।

बड़ी सँख्या में महिला मजदूरों वाली **शाही एक्सपोर्ट** (1 सैक्टर-28 तथा 15/1 मथुरा रोड़ , फरीदाबाद) गारमेन्ट फैक्ट्रियों में वरकरों ने ढाई महीने की तनखा , 24-25 हजार रुपये बोनस में लिये। **हिन्दुस्तान मेडिकल डिवाइसेज-हिन्दुस्तान सिरिंज** (सैक्टर-25, फरीदाबाद) फैक्ट्री में मजदूरों ने ढाई महीनों की तनखा, 24-25 हजार रुपये बोनस में लिये। फरीदाबाद स्थित **एस्कोर्ट्स** फैक्ट्रियों में परमानेन्ट मजदूरों को एक महीने की तनखा से कम बोनस, 19600 रुपये दिया और ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे वरकरों को फर्स्ट प्लान्ट तथा ई सी ई एल में बोनस दिया ही नहीं। **मारुति सुजुकी** (मानेसर तथा गुड़गाँव) फैक्ट्रियों में 2010 में भारी मुनाफा दिखाते हुये पाँच रुपये की शेयर पर 80 रुपये डिविडेन्ड दिखाया था और इधर कम्पनी ने पाँच रुपये की शेयर पर बहुत अधिक मुनाफे के लक्षण , 243 रुपये 32 पैसे डिविडेन्ड दिखाया है। लेकिन मारुति सुजुकी कम्पनी ने बोनस में परमानेन्ट मजदूरों और टेम्परेरी वरकरों को एक महीने की तनखायें दी हैं , घाटे में वाली कम्पनी का बोनस दिया है। **होण्डा मानेसर** फैक्ट्री में भी परमानेन्ट तथा टेम्परेरी वरकरों को कम्पनी घाटे में वाला बोनस दिया है , एक-एक महीने की तनखा बोनस में दी है।

दिल्ली , नोएडा , उद्योग विहार गुड़गाँव , आई एम टी मानेसर , फरीदाबाद में बोनस नहीं देने वाली फैक्ट्रियों की लिस्ट बहुत लम्बी है : **मेटशॉट्स/रेलीगेयर** (डी-1/5 , डी-2/4 ओखला फेज-2) , **स्कोर्पियन एपरेल्स** (सी-30 ओखला फेज-1) ; आई एम टी मानेसर में 80-90 प्रतिशत टेम्परेरी वरकरों वाली **सन्धार, ब्रिस्टोन, अनु ऑटो, प्राशा टैक्नोलॉजी, ए ए ऑटोटैक, मितसई मैटल, डी एस सी ऑटो इंजीनियरिंग, पोजिटिव प्लास्टिक, कुमार प्रिन्टर्स, एन टी एफ, ए जी इन्डस्ट्रीज, मोडर्न मोटिव** ; उद्योग विहार गुड़गाँव में 80-90 प्रतिशत टेम्परेरी वरकरों वाली **अर्जुन ऑटो, लोगवैल फोर्ज, कोका कोला (एनरीको एग्रो), पर्ल, बिना नाम** (535 फेज-5), **इन्टरफेस माइक्रोसिस्टम्स** ; फरीदाबाद में 80-90 प्रतिशत टेम्परेरी मजदूरों को **ओसवाल कास्टिंग्स, सैनरोक इन्टरप्राइजेज, भारतीया कटलर हैमर, गुडईयर टायर,** प्लॉट 20 सैक्टर-24 , **विक्टोरा टूल्स, सुपर ऑटोइलेक्ट्रिक, अल्फा टोयो, इण्डिया फोर्ज।**

कानून असंगत हैं। बात लेने की होती है। **बात लेने की है।**

अच्छी कम्पनियों में हँगामे

नोएडा–ग्रेटर नोएडा की कुछ बातें

डिक्सन टैक्नोलोजीज (बी-14,15 हौजरी कॉम्पलैक्स) एल ई डी बल्ब , फोन-पार्ट आदि का उत्पादन। ढाई सौ वरकर लाइनों पर , 7400 रुपये तनखा, 26 दिन , 9 घण्टे प्रतिदिन। **सैमसंग** (सैक्टर-81) से निकाले गये एक वरकर ने बताया कि प्रोडक्शन के हिसाब से कभी तीन शिफ्टें होती हैं तो कभी दो। **एल एन टैक** (इको टैक 1) सैमसंग जैसी कम्पनियों के लिये मोबाइल बनाती है। एक लाइन पर 10-12 वरकर , 40 लाइनें , तीन शिफ्ट , 26 दिनों की 7400 रुपये तनखा। अक्टूबर-अन्त में बगैर नोटिस 250 वरकर निकाले। लाइनें बन्द की। हँगामा। मोबाइल तोड़े। **वेरॉक** (इको टैक 2) में करीब 800 वरकर। ऑपरेटरों को 12 घण्टों के 9500 और हैल्परों को 7400 रुपये। यामाहा के प्लास्टिक पार्ट बनाते हैं। **डायनाटैक** (ब्लॉक ई सूरजपुर) में ए सी के पार्ट बनते हैं। पन्द्रह लाइन ऑपरेटरों को 9000 और 235 हैल्परों को 7700 रुपये। ड्युटी 8-10-12-14 घण्टे। **रसंदिक** (साइट बी सूरजपुर) में तीन पहिया टेम्पो बनते हैं। लाइनों पर काम, 400 वरकर। हौजरी कॉम्पलैक्स में **डिम्पल क्रियेशन्स** (बी-12), **मेसियानिक** (बी-18), **पैरामाउन्ट** (बी-40), **लक्ष्मी हाउस** (सी-144), **मैगनोलिया मार्टिनिक** (बी-60), के वरकर : तनखा ग्रेड से देते हैं। डिम्पल क्रियेशन में काम कर रहे वरकर : फरवरी 2013 में इस जगह पर भी भारी तोड़-फोड़ हुई थी। **बुटीक इन्टरनेशनल** (सी-45, 46) में कुछ समय पहले 40 वरकरों का हिसाब किया। गेट पर हँगामा। श्रम अधिकारी आया। नोटिस दे कर हिसाब किया, तीन महीने की सैलरी के साथ। किसी गारमेन्ट फैक्ट्री का वरकर : ओवर टाइम सिंगल रेट से देते हैं लेकिन स्लिप पर आधा लिख कर ओवर टाइम डबल रेट से दिखाते हैं। इस पर कई बार हँगामा हुआ है। **मर्लिन क्रियेशन्स** (सी-12, 13) में औरतों-बच्चों के लिये एक्सपोर्ट के कपड़े बनते हैं। पाँच सौ वरकर जिन्हें ग्रेड मिलता है। **बीकानेरवाला** (इकोटैक 2) में लगभग 1500 वरकर और 12 घण्टे ड्युटी की मासिक 7400 रुपये तनखा। **प्रियागोल्ड** (उद्योग विहार , गेटर नोएडा) में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट। डायरेक्ट भर्ती वरकरों को 9600 और ठेकेदार कम्पनी वालों को 9000 रुपये प्रतिमाह। जून में वरकरों ने हँगामा किया। कुछ वरकरों पर केस चलाये गये। बहुत मारामारी है कम्पनी में। तनखा टाइम से नहीं मिलती। छुट्टी पर जाने से काम किये दिनों की तनखा रोक लेते हैं। और ब्रेक करने पर बकाया पैसों के लिये चक्कर। **वीवो** (ईकोटैक 2) में साल के शुरू में 15,000 वरकर 3 शिफ्टों में लगे थे। अब 2000-2500 वरकर रह गये हैं। जुलाई के महीने में कम्पनी को 5000 वरकरों के भारी विद्रोह का सामना करना पड़ा था। दिवाली से पहले 2000 वरकर निकाले। तीन शिफ्टों से दो शिफ्टें की। दिवाली के बाद 1000 वरकर निकाले। अब नवम्बर के महीने में केवल एक शिफ्ट चल रही है , 9 घण्टे के 7100 रुपये। **परफैक्ट** (इकोटैक 2) में 150-200 वरकर। बारह घण्टे ड्युटी की 10,000 रुपये तनखा प्रतिमाह।

इक पल का खटना , फिर तो है गाना

लेकिन इन इकाइयों में कितने वरकर दिहाड़ी या पीस रेट पर काम करते हैं , इसकी कोई गिनती नहीं। **पैरागॉन** (बी-59 हौजरी कॉम्पलैक्स) में करीब 500 वरकर। सिलाई वाले 250 पीस रेट पर हैं। दिन के 12 घण्टे में 400-500 कमा कर महीने में 16,000 रुपये तक कमा लेते हैं। बाकी हैल्पर, धागा कटर वगैरा 8 घण्टे के 8000 रुपये प्रतिमाह की तनखा पर। ''दँगा करती हैं'' कह कर लक्ष्मी हाउस की दिहाड़ी पर काम कर रही महिला वरकरों को कुछ समय पहले गेट बाहर किया था। दरअसल तनखा महीने के बाद देते हैं, और कई बार टाइम से नहीं। किसी एक्सपोर्ट फैक्ट्री में 6-7 महिलाओं को इन्चार्ज ने कहा कि तुम काम नहीं करती हो, महीने की 25 तारीख को हिसाब ले जाना। '' काम नहीं करती तो यह उत्पादन कहाँ से होता है ? अभी हिसाब दो !'' हँगामा। पुलिस आई। पिछले दो महीने में तीन बार पुलिस आई है। बुलन्दशहर से हरिद्वार जा कर **आई टी सी बिस्किट** कम्पनी में काम किया युवक अब नोएडा में काम ढूँढ रहा है। मुंबई के करीब ठाणे स्थित **सुपरटैक** में काम कर चुका व्यक्ति अब नोएडा में काम कर रहा है। सुपरटैक ने पी एफ के पैसे जमा नहीं किये।

दिवाली के पटाखे

दिवाली पर बोनस बहुतों को नहीं मिला, जहाँ मिला वहाँ घाटे का , या उससे भी कम। मेसियानिक का एक वरकर : बोनस तो ऐसे दिया जैसे कुत्ते को रोटी देते हैं। **वीयरवेल** (बी-43, 44 हौजरी कॉम्पलैक्स) में दिवाली के चार दिन पहले पूछताछ से वरकरों को पता चला कि बोनस के कोई आसार नहीं , तो एक दिन काम बन्द रखा। अगले दिन 620 रुपये प्रतिमाह के हिसाब से एक साल से काम करते वरकरों को बोनस की घोषणा। साथ ही बी-30 वालों को भी। जो जनवरी के बाद से लगे उन्हें बोनस नहीं। बहुत सारे वरकरों का पी एफ जमा नहीं। दो महीने पहले कुछ मजदूरों को बाहर किया था तब गेट पर हँगामा हुआ था। वेरॉक में बोनस नहीं। डायनाटैक में बोनस नहीं। **यामाहा** (सूरजपुर) में दिवाली का बोनस दिया। फिर 2500 वरकर निकाले। **स्काइलार्क** (बी-2/14, साइट बी, सूरजपुर) में 70 मजदूरों को 8500 रुपये महीने के। फैब्रिक प्रिन्ट का काम। दिवाली पर बोनस नहीं दिया तो वरकरों द्वारा दो हफ्ते से काम बन्द। आज (3 नवम्बर को) फैसला होगा कह रहे हैं। **सनप्लास्ट** (बी-5, साइट बी सूरजपुर) फैक्ट्री में 750 वरकर एल जी , सैमसंग जैसी कम्पनियों का प्लास्टिक मोल्डिंग का काम करते हैं। बारह घण्टे काम पर महीने के 15,000 रुपये। मजदूरों ने बोनस लिया। **मोबेस** (इकोटैक 2) में सैमसंग आदि के लिये मोबाइल पार्ट्स 1300-1400 वरकर बनाते हैं। सब को हैल्पर ग्रेड — 7400 रुपये तनखा और ओवर टाइम 60 रुपये प्रति घण्टा। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की। अक्टूबर अन्त तक बोनस नहीं। पहली नवम्बर को 80 वरकर बाहर कर दिये।

ऊर्जा है। ऊर्जा से उत्साह भी है। काम पर जाते वक्त , काम ढूँढते वक्त , फैक्ट्री में , बाहर चौक पर , कमरों पर , सफर में , स्कूलों में : हँसी-मजाक, जीवन साझा करना , साथ आराम करना , साथ खाना। और इस उत्साह को जकड़ती बेड़ियों को समझना, तोड़ना, उनसे फरार होना। बेड़ियाँ सवाल हैं, उत्साह जवाब। संगति, बहुत खूब।

उत्तर प्रदेश में सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन : अकुशल श्रमिक 7400 रुपये, अर्ध-कुशल 8141 रुपये, और कुशल श्रमिक 9119 रुपये।

साझेदारी

✶ आई एम टी मानेसर, उद्योग विहार गुड़गाँव, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फरीदाबाद में मजदूर समाचार का वितरण हर महीने होता है।

✶ मजदूर समाचार के वितरण के दौरान फुरसत से बातचीत मुश्किल रहती है। इसलिये मिलने-बातचीत के लिये पहले ही सूचना देने का सिलसिला आरम्भ किया है। चाहें तो अपनी बातें लिख कर ला सकते हैं, चाहें तो समय निकाल कर बात कर सकते हैं, चाहें तो दोनों कर सकते हैं।

— वीरवार, 30 नवम्बर को सुबह 6 बजे से 9½ तक आई एम टी मानेसर में सैक्टर-3 में बिजली सब-स्टेशन के पास मिलेंगे। खोह गाँव की तरफ से आई एम टी में प्रवेश करते ही यह स्थान है। जे एन एस फैक्ट्री पर कट वाला रोड़ वहाँ गया है।

— उद्योग विहार, गुड़गाँव में फेज -1 में पीर बाबा रोड़ पर वोडाफोन बिल्डिंग के पास बुधवार, 29 नवम्बर को सुबह 7 से 10 बजे तक बातचीत के लिये रहेंगे। यह जगह पेड़ के नीचे चाय की दुकान के सामने है।

— शुक्रवार, 1 दिसम्बर को सुबह 7 से 10 बजे तक चर्चा के लिये ओखला-सरिता विहार रेलवे क्रॉसिंग (साइडिंग) पर उपलब्ध रहेंगे।

✶ फरीदाबाद में अक्टूबर में हर रविवार को मिलेंगे। सुबह 10 से देर साँय तक अपनी सुविधा अनुसार आप आ सकते हैं। फरीदाबाद में बाटा चौक से थर्मल पावर हाउस होते हुए रास्ता है। ऑटोपिन झुग्गियाँ पाँच-सात मिनट की पैदल दूरी पर हैं।

फोन नम्बर : 0129-6567014

व्हाट्सएप के लिये नम्बर : 9643246782

ई-मेल < majdoorsamachartalmel@gmail.com >

बातचीतों में भँवर और उल्लास

मजदूर समाचार बाँटने के दौरान हजारों बातचीतों से हम गुजरते हैं। यह बातचीतें बहुत तरह की देख-परख, विचार, अनुभव और कदम से लैस होती हैं। इन वार्ताओं के रस का आनन्द धीरज और विनोद भाव से प्राप्त होता है। जैसे दादी कहती हैं , सतहों का टकराव सतहों से ही, को पढना होता है।

इस सन्दर्भ में एक बातचीत के उतार-चढाव, घुमाव और पैठ को यहाँ साझा कर रहे हैं।

सुबह-सुबह फरीदाबाद में जे सी बी चौक के इर्द-गिर्द मजदूर समाचार बाँट रहे थे। ड्युटी जाने वाले टुकड़ों में बोलते हुये निकल रहे थे। रात की ड्युटी करके लौट रहे कुछ आराम से चर्चा कर रहे थे। सैक्टर-59 की फैक्ट्रियों की तरफ जा रहा एक युवा मजदूर रुक गया। वह मथुरा रोड़ पर स्थित स्ट्ड्स हैल्मेट फैक्ट्री में काम करता था। वह बोला कि स्ट्रैप विभाग के सब पुराने वरकरों को मैनेजमेन्ट ने अचानक निकाल दिया है और पुलिस उन्हें फैक्ट्री गेट पर एकत्र नहीं होने दे रही, धमका कर हटा देती है। उसे भी दो दिन से फैक्ट्री के बाहर किया हुआ है। यह 2015 की बातें हैं।

बगल में चाय की दुकान पर बैठ कर अपनी बातें लिखने को कहा। युवक ने आराम से लिखा। जो कहा था वही बातें लिखी। शिफ्टें आरम्भ होने का समय समाप्त होने पर चाय पीते हुये चर्चा हुई।

आरम्भ में युवा ने वही दोहराया जो खड़े-खड़े कहा था और फिर लिखा था। बातचीत जारी रहने पर : स्ट्ड्स हेल्मेट फैक्ट्री में 900 मजदूर। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की। नब्बे प्रतिशत से ज्यादा वरकर टेम्परेरी। चेन सिस्टम से उत्पादन। तेजी से काम करने के लिये भारी दबाव। स्ट्रैप विभाग में एक शिफ्ट में 36 मजदूर और सब वरकर एक ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे जाते हैं। तनाव में रहते सुपरवाइजर और मैनेजर भड़ास निकालने के लिये गाली भी दे देते हैं। तब क्या करते हो? काम करते हैं, गाली क्यों खायें! स्ट्रैप विभाग में गाली देने पर हम काम बन्द कर देते हैं। थोड़ी देर में ही सुपरवाइजर और मैनेजर के होश ठिकाने आ जाते हैं। लेकिन और बहुत बातें हैं। आपस में बहुत चर्चायें होती हैं। इस बार स्ट्रैप विभाग की दोनों शिफ्टों के मजदूरों ने तय किया। दो दिन पहले सुबह की शिफ्ट के 36 वरकर फैक्ट्री नहीं गये। चेन सिस्टम से उत्पादन के कारण मैनेजमेन्ट में हड़कम्प मच गया। ठेकेदार कम्पनी के बन्दे वरकरों के कमरों के चक्कर लगाने लगे। हम सब इधर-उधर रहे। रात की शिफ्ट में भी स्ट्रैप विभाग के 36 मजदूर ड्युटी नहीं गये। बौखलाई स्ट्ड्स हैल्मेट मैनेजमेन्ट ने ठेकेदार कम्पनी पर दबाव बढाया। इधर-उधर से नये लोग ले कर गये। लेकिन बिलकुल नये वरकर से तेजी से उत्पादन नहीं होता। आज दूसरे दिन भी सुबह की शिफ्ट के 36 मजदूर ड्युटी नहीं गये हैं और रात की शिफ्ट वाले स्ट्रैप विभाग के वरकर भी फैक्ट्री नहीं जायेंगे।

अगले महीने जे सी बी चौक पर मजदूर समाचार बाँटते समय स्ट्ड्स हैल्मेट फैक्ट्री के स्ट्रैप विभाग के मजदूरों ने बताया : तीन दिन दोनों शिफ्टों के वरकर फैक्ट्री नहीं गये तब ठेकेदार कम्पनी ने स्ट्रैप विभाग मजदूरों को रियायतें दी। और , फैक्ट्री गये तब प्रत्येक वरकर से लिखवाया : मुझे फलाँ-फलाँ आठ मजदूरों ने भड़काया था। यानी, हरेक ने हरेक को भड़काया था। स्ट्ड्स हैल्मेट फैक्ट्री के स्ट्रैप विभाग के वरकरों की इस बात ने अगस्त 2012 में मारुति सुजुकी मैनेजिंग डायरेक्टर के स्पीकिंग आर्डर्स की याद दिलाई जहाँ उन्होंने मानेसर फैक्ट्री के 546 मजूरों में प्रत्येक को लिखा था : ''आपने हिंसा के लिये भड़काया और आपने हिंसा में भाग लिया।''

प्रत्येक द्वारा प्रत्येक को भड़काना बहुत व्यापक है।

दहशत में मैनेजर

कुछ बातें **शाही एक्सपोर्ट** (1 सैक्टर-28 तथा 15/1 मथुरा रोड़, फरीदाबाद) फैक्ट्रियों की। कम्पनी की इन फैक्ट्रियों में अस्सी प्रतिशत मजदूर महिला हैं। सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन देते हैं। ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर से। बोनस बीस प्रतिशत। इस वर्ष ढाई महीने की तनखा बोनस में : चौबीस-पच्चीस हजार रुपये।

इन दो-तीन वर्षों के दौरान :

— शाही कम्पनी का कॉरपोरेट क्वालिटी ऑडिटर पैक होने के बाद क्रॉस ऑडिट करता था। खोल कर देखता था। कुछ ज्यादा ही पीस फेल करता था। री-वर्क करो , ड्युटी के बाद रुको , बिना ओवर टाइम के। सैक्टर-28 मैट्रो मोड़ पर हमला। एक पैर टूटा — रॉड डालनी पड़ी। लँगड़ा कर चलता है। शान्त।

— स्टिचिंग में मास्टर ने महिला मजदूर के कन्धे पर हाथ रख कर कहा: ''जल्दी कर। टारगेट देना है। नहीं तो घर नहीं जायेगी।'' महिला वरकर: ''जरा जबान सम्भाल कर बात कर।'' मास्टर : ''मैडम तेरे से जितना बोला जा रहा है उतना कर। फालतु की बकवास मत किया कर।'' इस पर महिला मजदूर ने चप्पल उतारी। मास्टर भागा। तब से मास्टर शान्त।

— नया-नया फिनिशिंग मैनेजर टारगेट के लिये परेशान करता था, ड्युटी के बाद बिना ओवर टाइम रोकता था। एक दिन प्लास्टर चढे हाथ के साथ मैनेजर छुट्टी लेने फैक्ट्री आया। मजदूर पूछने लगे : ''सर , आपके हाथ में प्लास्टर कैसे चढ गया? क्या हो गया?'' मैनेजर : ''एक्सीडेन्ट हो गया।'' वरकर आपस में : ''पिटा है और एक्सीडेन्ट कह रहा है।'' हाथ तोड़े जाने के बाद से मैनेजर कई बार तो मजदूरों की चमचागिरी तक करता है और टारगेट के लिये मीटिंग लेता है पर पीस पूरे करने के लिये बिना ओवर टाइम के रोकना बन्द कर दिया है।

— एक सुपरवाइजर ने एक हैल्पर से कहा : '' अरे जा पीस ले कर आ।'' हैल्पर को थोड़ा गुस्सा आया : '' अरे ला रहा हूँ अभी।'' इस पर सुपरवाइजर ने उसे धक्का दिया। तब हैल्पर ने सुपरवाइजर का कॉलर पकड़ लिया। सुपरवाइजर ने हिसाब करवाने की धमकी दी पर निकाला नहीं क्योंकि अन्य वरकर हैल्पर के साथ थे। रात साढे सात बजे छूटे तब शाही फैक्ट्री गेट पर ही कुछ लोगों ने सुपरवाइजर को पीटना शुरु कर दिया। कोई गार्ड नहीं आया। गार्डों ने गेट बन्द कर लिया। सुपरवाइजर का दोस्त क्वालिटी वाला बीच में आया। उसे भी दो-चार हाथ पड़े। पिटने के बाद दोनों फैक्ट्री में शान्त रहे। अब सुपरवाइजर इण्डिया फैशन फैक्ट्री में है और क्वालिटी वाला भिवाड़ी में किसी फैक्ट्री में है।

— स्टीचिंग क्वालिटी असिस्टेन्ट परेशान कर के टेलरों से रिजाइन लिखवाता था। रात 9½ बजे ड्युटी से छूट कर बाइक पर घर जा रहा था। रेलवे लाइन के पास एक हाथ और एक पैर तोड़ दिया। तब से वह तो शान्त है ही , अन्य क्वालिटी वाले भी शान्त हो गये हैं।

— फिनिशिंग सुपरवाइजर ज्यादा परेशान करता था। टारगेट पूरा नहीं होने पर ड्युटी के बाद बिना ओवर टाइम रोकता था। उस सुपरवाइजर को मेन मथुरा रोड़ पर मेवला महाराजपुर मोड़ से पीटना शुरू किया। शाही फैक्ट्री गेट तक पिटता हुआ भागा। सिर पर रॉड लगने से खून से लथपथ। गेट पर गार्डों से बताया — पीटने वाले गायब। तब से हाथ जोड़ कर टारगेट माँगता है।

कुछ इमेल पते

श्रम आयुक्त, हरियाणा < labour@hry.nic.in>

श्रम विभाग दिल्ली < labjlc2.delhi@nic.in >

ई एस आई महानिदेशक < dir-gen@esic.nic.in >

केन्द्रीय भविष्यनिधि आयुक्त < cpfc@epfindia.gov.in >

हरियाणा सरकार ने 1 जुलाई से देय महँगाई भत्ते (डी ए) की घोषणा 7 नवम्बर तक नहीं की थी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए रौनिजा प्रिन्टर्स फरीदाबाद से मुद्रित किया।
RN 42233 पोस्टल रजिस्ट्रेशन L/HR/FBD/73/15-17
सौरभ लेजर टाइपसैटर्स, बी—551 नेहरु ग्राउंड, फरीदाबाद द्वारा टाइपसैट।